

# ‘छह विधायक दे देंगे इस्तीफा’

## सुराणा गांव में नेताओं के दौरे के बीच ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र गुढ़ा की चेतावनी

जयपुर, (का.प्र.)। जालोर के सुराणा गांव में टीचर की कथित पिटाई से दलित स्टूडेंट की मौत के बाद राजस्थान में गैरमाई हुई सियासत के बीच कांग्रेस के नेता ही कांग्रेस सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। इसी के साथ कांग्रेस के नेताओं में होड़ मची है कि सबसे ज्यादा दलित हितैषी कौन बने, इसलिए कांग्रेस के नेता मित नए बयान दे रहे हैं। अब इस लिस्ट में नया नाम जुड़ गया है राजेंद्र गुढ़ा का। अपने बयान के जरिए राजेंद्र गुढ़ा ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि भले ही वह कांग्रेस में शामिल हो गए हैं और मंत्री बन गए हैं, लेकिन जो छह विधायक बसपा से आए हैं, उनका गुट कांग्रेस से अलग है। इसलिए उन्होंने जालौर मामले को लेकर छह विधायकों के इस्तीफा की चेतावनी दे डाली।

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने जालौर कांड के साथ ही नागौर के डांगवासा कांड की याद ताजा करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट पर भी निशाना साधा है। इसी के साथ गुढ़ा ने जालौर मामले

- साथ में दी धमकी, “पूरे राजपूत समाज को गाली देना, विलेन बनाना गलत है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा”
- यह भी बोले, “उस वक्त के और वर्तमान के हमारे अध्यक्ष कहाँ थे, जब डांगवासा कांड हुआ था, डांगवासा कांड के समय पानाचंद ने इस्तीफा क्यों नहीं दिया”

में न्याय नहीं मिलने पर बसपा से कांग्रेस में आए सभी 6 विधायकों के सरकार से समर्थन वापस लेने तक की चेतावनी भी दी है। गुढ़ा ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि बच्चे को जिस टीचर ने मारा, उसे चाहे फांसी पर लटका दी जाए, लेकिन इस घटना के लिए पूरे राजपूत समाज को गाली देना, विलेन बनाना गलत है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसी एक आदमी ने अपराध किया तो समाज कैसे दोषी हो गया?

गुढ़ा ने कहा कि एक व्यक्ति के अपराध में पूरे राजपूत समाज को खलनायक की तरह पेश किया जा रहा है। यह अच्छी बात नहीं है, जिसने गुनाह किया है, उसे सजा दी जाए। दलित बच्चे को मौत के मामले की फास्ट ट्रैक कोर्ट में डे-टू-डे सुनवाई की जाए। सजा दिलाकर मिसाल पेश की जाए, लेकिन एक समाज को बेवजह विलेन बनाना सहन नहीं करेंगे। गुढ़ा ने कहा कि मैं हमारे साथी विधायक लाखन मीणा के बयान से 100 फीसदी सहमत हूँ। सरकार कार्रवाई नहीं करेगी। दलित बच्चे को न्याय नहीं मिलेगा, तो हमारे सभी 6 विधायक सरकार से समर्थन वापस ले लेंगे। इसके लिए चाहे हमारी विधानसभा की सख्ती ही क्यों न

चली जाए? जालौर मामले के बहाने ही गुढ़ा ने अपनी ही पार्टी के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि पानाचंद मेघवाल बताए कि डांगवासा के वक्त इस्तीफा क्यों नहीं दिया? बीजेपी के नेता डांगवासा के वक्त कहाँ थे। डांगवासा के समय किसी भी एक हत्यारे को सजा मिली क्या? किसी को न्याय मिला क्या? सचिन पायलट और गोविंद सिंह डोटासरा पर सवाल दगते हुए गुढ़ा ने कहा कि हमारे उस समय के प्रदेशाध्यक्ष और आज के प्रदेशाध्यक्ष हैं, वे इस मामले में क्यों नहीं बोले? जिस वक्त डांगवासा कांड हुआ। उस वक्त दलितों के साथ अस्पताल में मैं था, आज बयान देने वाले नेता वहाँ कहीं नजर नहीं आ रहे थे। डांगवासा कांड में पांच दलितों को बेरहमी से मारा गया था, उनके लिए कोई नहीं बोला। मंत्री गोविंद मेघवाल के बयान को लेकर भी गुढ़ा ने कहा कि आज जो नेता बयानबाजी कर रहे हैं, वे डांगवासा कांड के वक्त भी अगर पीड़ित दलितों को न्याय दिलाने की मांग करते तो

ज्यादा अच्छा होता। हमारे मंत्री गोविंद मेघवाल ने कहा कि ठाकुरों ने पीट-पीट कर उनकी पीठ तोड़ दी। किसी अपराधी की कोई जाति नहीं होती। एक समाज को विलेन बनाने की कोशिश न की जाए। डांगवासा में इनकी संवेदनाएँ कहाँ चल गई थीं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सबसे ज्यादा गजेटेड अफसर मेरे विधानसभा क्षेत्र में हैं। मेरे क्षेत्र में 95 फीसदी व्यक्तिगत रूप से राजेंद्र गुढ़ा के साथ हैं। पार्टी के साथ नहीं। दलितों के अधिकारों के लिए हम जान दें दें। राजस्थान की धरती पर दलित के साथ अत्याचार हो तो राजेंद्र गुढ़ा जान दे सकता है। उल्लेखनीय है कि जिस डांगवासा मामले की बात गुढ़ा ने कही है, उस दौरान नागौर जिले के डांगवासा गांव में जमीन विवाद को लेकर 5 दलितों को पीट-पीटकर मार दिया था। यह घटना 2015 में भाजपा राज के दौरान हुई थी। उस समय जमकर विवाद और राजनीति हुई थी। इसके बाद सीबीआई जांच दी गई थी।

# ‘लम्पी स्किन डिजीज से बचाव के लिए पशुपालकों को जागरूक करें’



पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने लम्पी स्किन डिजीज को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बुधवार को पंत कृषि भवन में बैठक ली।

जयपुर, (का.सं.)। पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने प्रदेश के गौवंशीय पशुओं में फैल रही लम्पी स्किन डिजीज को लेकर कृषि विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार, पशुपालन विभाग के शासन सचिव पीसी किशन एवं विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बुधवार को यहां पंत कृषि भवन में बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस रोग का बचाव ही उपचार है, ऐसे में जन जागरूकता अभियान के माध्यम से व्यापक प्रचार-

प्रसार किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कृषि पर्यवेक्षकों एवं सुपरवाइजर्स को भी इससे जोड़ने के निर्देश दिए। पशुपालन मंत्री ने बताया कि गौवंशीय पशुओं में फैल रही लम्पी स्किन रोग की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को कृषि एवं पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे पशु चिकित्सकों एवं कृषि पर्यवेक्षकों के

साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बीमारी की स्थिति एवं रोकथाम के लिए किये जा रहे प्रयासों की समीक्षा कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इससे पूर्व मुख्य सचिव जया शर्मा ने आयुर्वेद एवं पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर लम्पी रोग के बचाव एवं रोकथाम में कारगर आयुर्वेदिक औषधियों पर चर्चा की। शर्मा ने लम्पी स्किन रोग की समीक्षा करते हुए तत्काल गोट पॉक्स वैकसीन खरीदने के निर्देश भी दिए।

# करोना संक्रमण से इस महीने में अब तक 18 लोगों की मौत हुई राजस्थान में

जयपुर। प्रदेश में कोरोना संक्रमण से इस महीने में अब तक 18 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं बुधवार को लगातार दूसरे दिन भी दो और मरीजों की मौत हुई है। इस बीच राज्य में 502 नए संक्रमित मिले हैं, जबकि साढ़े छह सौ से ज्यादा मरीज ठीक हुए हैं। प्रदेश में कोरोना संक्रमण का कहर बढ़ता ही जा रहा है। राज्य में बढ़ी संख्या में नए संक्रमित मिलने के साथ ही इससे मरने वालों का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। बुधवार को राज्य में जयपुर और झालावाड़ में कोरोना से दो लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9598 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। उधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में नए संक्रमितों की संख्या में काफी

- बुधवार को भी जयपुर और झालावाड़ में दो संक्रमितों की मृत्यु हुई है
- राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 502 नए संक्रमित मिले, वहीं 687 मरीज ठीक भी हुए हैं।

वृद्धि हुई है। इस दौरान 27 जिलों में 502 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को 191 रोगी पाए गए थे। इधर राज्य में आज सबसे ज्यादा 107

नए संक्रमित अलवर जिले में मिले हैं। इसके अलावा जयपुर में 96, भरतपुर में 72, उदयपुर में 34, भीलवाड़ा व जोधपुर में 28-28, दौसा में 26, चित्तौड़गढ़ में 25, प्रतापगढ़ में 20, नागौर में 18, अजमेर व कोटा में 9-9, बूंदी में 5, राजसमंद में 4, पाली व सर्वाहीमाधोपुर में 3-3, टोंक, बांसवाड़ा, जालौर व झालावाड़ में 2-2 तथा बाड़मेर, बीकानेर, डूंगरपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर और झुंझुनूं में एक-एक नया संक्रमित मिला है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान 687 मरीज ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 3944 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में 190 मरीजों के ठीक होने के

साथ ही एक्टिव केस 1300 रह गए हैं। जयपुर में बुधवार को 32 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 12 नए मरीज मानसरोवर में मिले हैं। इसके अलावा झोटरवाड़ा में 7, दुर्गापुरा व सांगानेर में 6-6, दूदू में 5, अजमेर रोड, जगतपुरा, जमवारामगढ़ व मालवीय नगर में 4-4, आदर्श नगर, जवाहर नगर, टोंक फाटक व वैशाली नगर में 3-3, बस्सी, ब्रह्मपुरी, चाकर्स, गंगापेल, जोहरी बाजार, लालकोटी व रामगंज में 2-2 तथा बरकत नगर, सी-स्क्रीम, सिविल लाइन, गोविंद नगर, जयसिंहपुरा खोर, कोटपूतली, निर्माण नगर, प्रतापनगर, राजापार्क, शांखी नगर और विद्याधर नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

# गहलोत की नाक के नीचे आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही : डॉ.सतीश पूनिया

जयपुर। जयपुर जिले के जमवारामगढ़ में महिला टीचर को जिंदा जलाने और प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस शासन में यह पहली घटना नहीं है, इस तरीके की घटनाएं साल में हजारों हो रही हैं और अब तक पूरे प्रदेश में 7 लाख से अधिक मुकदमे, औसतन 18 बलात्कार और 7 हत्याएं प्रतिदिन, यह अपने आप में एक आंकड़ा इस बात को प्रस्तुत करता है, इस बात का साक्ष्य है कि कांग्रेस सरकार के कामकाज की कानून व्यवस्था की यह बानगी है। पूनिया ने कहा कि मुख्यमंत्री और गृहमंत्री की नाक के नीचे हुई यह घटना और सुदूर किसी आदिवासी क्षेत्र में होती

- जयपुर के जमवारामगढ़ में महिला टीचर को जिंदा जलाने की घटना पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कड़ी प्रतिक्रिया दी

है, किसी सीमावर्ती क्षेत्र में भी होती है, कभी मेवात के क्षेत्र में होती है, घटनाएं तभी होती हैं कि जब अपराधी बेव्योफ होता है, अपराधी को यह भरोसा होता है कि मैं कुछ भी करूंगा तो मेरा बाल बांका नहीं होगा, मैं सामान्य सी परिस्थिति में धारा में दर्ज होकर मुकदमें से बाहर आ जाऊंगा। राज्य सरकार की

शिथिलता, लापरवाही और कानून व्यवस्था के प्रति उसकी संवेदनहीनता, यह ऐसे मामलों को और ज्यादा प्रेरित करती है और यह घटना भी जो जमवारामगढ़ के रायसर गांव में घटित हुई, एक दलित महिला शिक्षिका के साथ में यह समाज के लिए आंख खोलने वाली घटना है, पुलिस यदि तत्पर होती, प्रशासन यदि तत्पर होता, यदि उसकी सुनवाई होती तो यह घटना नहीं होती। घटनाओं की लंबी फेहरिस्त है और दुर्भाग्य है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री इस तरीके की घटनाओं के प्रति न तो संवेदनशील हैं और उनको रोकने के लिए पूरे तरीके से नाकाम भी है। कांग्रेस सरकार के मंत्रियों और विधायकों द्वारा

विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों को लेकर की जा रही मनमानी को लेकर मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में डॉ. पूनिया ने कहा कि, यह सरकार ही गैर-जिम्मेदार है, इसलिए सरकार का मंत्री जिम्मेवार होगा इसकी कैसे उम्मीद कर सकते हैं, जबकि मुख्यमंत्री खुद गैर जिम्मेवार हों ऐसे में कांग्रेस सरकार की अब जो पॉलिटिक्स है वो प्रतिशोध की राजनीति है, ईश्या की राजनीति है, तुष्टिकरण की राजनीति है, इसलिए कांग्रेस का कोई मंत्री निरपेक्ष होकर काम करेगा इसकी उम्मीद नहीं की जा सकती है। दूसरा कांग्रेस के विधायकों को जिस तरीके से राज्य सरकार के मुखिया का संरक्षण मिला है।

# वाडा के परिचालन अधिकारी फ्रेडरिक डॉंजे का निधन

मॉन्ट्रियल, 17 अगस्त। विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) फ्रेडरिक डॉंजे का संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया है। वाडा ने बुधवार को यह जानकारी दी है। डॉंजे 50 वर्ष के थे।

वाडा के अध्यक्ष विटोल्ड बांका ने कहा, यह उन सभी के लिए एक अविश्वसनीय रूप से दुःखद समय है जो फ्रेडरिक डॉंजे को जानते थे। मुझे यकीन है कि वैश्विक डोपिंग रोधी समुदाय इस दुःखद समय में फ्रेड के परिचालन के प्रति हमारी सबसे ईमानदार संवेदना व्यक्त करने में वाडा के साथ शामिल है। उन्होंने कहा, डॉंजे एजेंसी के अभिन्न अंग थे। डोपिंग रोधी और सामान्य रूप से खेल के सभी पहलुओं के बारे में उनका ज्ञान, एथलीटों के लिए वास्तविक परिणाम देने वाला उनका जुनून और संचालन, उनके जाने से हमारे संगठन में गैप पैदा हो गया है।

उन्होंने कहा, डोपिंग रोधी में उनके योगदान के अलावा उनकी मानवता, हसमुख और मिलनसार स्वभाव के लिए हम सभी उन्हें सबसे अधिक याद करेंगे। डॉंजे वर्ष 2002 में मीडिया रिलेशंस एंड कम्युनिकेशंस मैनेजर के रूप में वाडा में शामिल हुए। उन्हें वर्ष 2011 में लुसाने में वाडा के यूरोप कार्यालय और अंतरराष्ट्रीय संघ संबंधों के निदेशक बनाया गया। तथा 2016 में वह वाडा सीओओ नियुक्त किये गये।

# केन्द्र सरकार प्रतिबंधित मामले को फीफा के साथ अच्छे से उठाये : सुप्रीम कोर्ट

## उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा कि अंडर-17 महिला विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट की मेज़बानी का मौका भारत के हाथ से न छूटे

नयी दिल्ली, 17 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह भारतीय फुटबॉल को प्रतिबंधित करने के मामले में खेल के वैश्विक नियमन फीफा के साथ अच्छे तरीके से उठाये और यह सुनिश्चित करे कि अंडर-17 महिला विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट की मेज़बानी का मौका भारत के हाथ से न छूटे।

गौतमलब है कि भारतीय फुटबॉल से जुड़े संगठनों के विवाद के बीच फेडरेशन इंटरनेशनल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को 14 अगस्त, 2022 से निलंबित कर दिया है। एआईएफएफ के मामले की सुनवाई कर रहे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति धनंजय यशवंत चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एस एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति जमशेद बुरजोर पारदीवाला की पीठ ने बुधवार को इस मामले को सुलझाने के लिए केंद्र सरकार को फीफा के साथ ‘सक्रियता के साथ बातचीत’ करने का कहा। पीठ ने सॉलिसिटर जनरल के अनुरोध के अनुसार एआईएफएफ से संबंधित मामले में सुनवाई अगली तारीख के

लिए स्थगित कर दी। इससे पहले आज जब मामले की सुनवाई शुरू हुई तो भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष अदालत को अवगत कराया कि केंद्र सरकार ने फीफा के सामने निलंबन का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि ‘स्थिति पहले से बेहतर हुई है’ और उन्होंने इस मामले में और जानकारी देने के लिए अदालत से अगले सोमवार तक का समय मांगा। पीठ ने इस मामले में अगली सुनवाई सोमवार, 22 अगस्त को मुकर्र की है।

उल्लेखनीय है कि फीफा ने ‘तीसरे पक्ष’ के अनुचित हस्तक्षेप का हवाला देते हुए एआईएफएफ को 15 अगस्त को निलंबित कर दिया है। इसके फलस्वरूप भारत से फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट की मेज़बानी भी छिन गयी है यह टूर्नामेंट भारत में अक्टूबर 2022 में कराया जाना था। फीफा ने 16 अगस्त को जारी एक बयान में कहा कि भारतीय फुटबॉल के मामले में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप खत्म होने और प्रशासकों की समिति की नियुक्ति के आदेश के निरस्त होने के बाद तथा एआईएफएफ के रोजमर्रा के कार्य उसकी कार्यकारी समिति के हाथों में जाने के बाद निलंबन का आदेश हटाया जा सकता है।

आइसीसी क्रिकेट के महाप्रबंधक वसीम खान ने कहा, “अगले चार वर्षों के लिए इस एफटीपी को बनाने में किए गए प्रयासों के लिए मैं अपने सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूँ। हम अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली हैं कि हमारे पास खेल के तीन जीवंत प्रारूप हैं। आइसीसी वैश्विक कार्यक्रमों और मजबूत द्विपक्षीय और घरेलू क्रिकेट के उत्कृष्ट कार्यक्रमों के साथ और यह एफटीपी हर तरह के क्रिकेट को फलने-फूलने के लिए डिज़ाइन किया गया है।”

# ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट शृंखलाएं खेलेगा भारत

मुंबई, 17 अगस्त। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को 2023-27 की अवधि के लिये पुरुषों के भविष्यीय दौर कार्यक्रम (एफटीपी) की घोषणा की जिसके तहत भारत आगामी चार सालों में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो-दो टेस्ट शृंखलाएं खेलेगा। आईसीसी द्वारा जारी होने वाला एफटीपी एक निश्चित समयवधि के दौरान होने वाले तीनों प्रारूपों के मुकाबलों की पुष्टि करता है, जबकि टीमों अपनी सहूलत के अनुसार इन मुकाबलों की तिथियां सुनिश्चित कर सकती हैं। भारत अगले चक्र में अपने अभियान की शुरुआत जुलाई 2023 में वेस्ट इंडीज दौरे से करेगा। सीमित ओवर शृंखला में ऑस्ट्रेलिया की मेज़बानी करने के बाद भारतीय टीम दिसंबर 2023 में दक्षिण अफ्रीका जाएगी।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2019-21 में दूसरे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम इस चक्र में अपनी पहली पांच टेस्ट मैचों की शृंखला इंग्लैंड के खिलाफ जनवरी 2024 में खेलेगी। इसके अलावा भारत ऑस्ट्रेलिया में (नवंबर-जनवरी 2025), इंग्लैंड में (जून 2025) और घर पर (जनवरी-फरवरी 2027) ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट शृंखला में हिस्सा लेगा। जून 2018 में बेंगलूरु में टेस्ट में पदार्पण करने वाली अफगानिस्तान टीम 2026 में एक बार फिर भारत में अपना एकलौता टेस्ट मैच खेलेगी।

आईसीसी क्रिकेट के महाप्रबंधक वसीम खान ने कहा, “अगले चार वर्षों के लिए इस एफटीपी को बनाने में किए गए प्रयासों के लिए मैं अपने सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूँ। हम अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली हैं कि हमारे पास खेल के तीन जीवंत प्रारूप हैं। आइसीसी वैश्विक कार्यक्रमों और मजबूत द्विपक्षीय और घरेलू क्रिकेट के उत्कृष्ट कार्यक्रमों के साथ और यह एफटीपी हर तरह के क्रिकेट को फलने-फूलने के लिए डिज़ाइन किया गया है।”

# युवा भारत के सामने नये ज़िम्बाब्वे की चुनौती

हरारे, 17 अगस्त। युवा प्रतिभाओं से भरपूर भारतीय टीम गुरुवार को एक ऐसी ज़िम्बाब्वे से मुकाबला करने उतरेगी जिसने पिछले कुछ समय में अपेक्षाओं के विपरीत शानदार प्रदर्शन किया है। ज़िम्बाब्वे एक कमज़ोर टीम मानी जाती है, लेकिन इस साल उसने 2016 के बाद पहली बार टी20 विश्व कप के लिये क्वालीफाई किया, और फिर बांग्लादेश को टी20 (2-1) और एकदिवसीय शृंखला (2-1) में पटखनी दी।

बांग्लादेश के खिलाफ खेले गयी शृंखला में ज़िम्बाब्वे को सिक्कर रज़ा और रायन बर्ल जैसे कई नैचवरिन मिले। रज़ा ने इस साल खेले गये नौ एकदिवसीय मुकाबलों में दो शतक और दो अर्द्धशतक बनाए हैं।

दूसरी ओर, भारतीय टीम में केएल राहुल लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं और एशिया कप की तैयारी के मद्देनजर यह शृंखला उनके लिये बेहद महत्वपूर्ण है। वह आखिरी बार मई 2022 में हुए आईपीएल एलिमिनेटर के लिये मैदान पर उतरे थे। शुभमन गिल और शिखर धवन यह शृंखला शुरू करने के लिये बेहद महत्वपूर्ण हैं। ज़िम्बाब्वे आ रहे हैं जहां वे अपनी फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे।

भारत अब पूरी तरह से अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी में जुट गया है, जो उनके टीम चयन में भी साफ ज़ाहिर है। ज़िम्बाब्वे में होने वाली टीम मैचों की एकदिवसीय शृंखला के लिये भी टीम में

- ज़िम्बाब्वे ने 2016 के बाद पहली बार टी20 विश्व कप के लिये क्वालीफाई किया है वहीं बांग्लादेश को पटखनी दी है

कई युवा टी20 विशेषज्ञों को शामिल किया गया है, जो ऑस्ट्रेलिया जाने वाली टीम में जगह बनाने के लिये अपनी दावेदारी पेश करना चाहेंगे। इन खिलाड़ियों में सबसे पहला नाम दीपक चहर का है जो राहुल की तरह ही चोटिल होकर टीम से बाहर थे। राहुल त्रिपाठी और शाहबाज अहमद भी इस शृंखला में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण कर सकते हैं। दोनों ही खिलाड़ी आईपीएल में अपना लोहा मनवान चुके हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मिले अवसर को पूरी तरह गुमाना चाहेंगे।

सीरीज के तीनों मैच हरारे की पिच पर खेले जाएंगे जो बल्लेबाजों की हितैषी मानी जाती है। भारत ने 2013 से इस मैदान में नौ मैच खेले हैं और सभी में जीत दर्ज की है, हालांकि ज़िम्बाब्वे को इस बार कम आंकना सही नहीं होगा और धवन भी इस बात को स्वीकार चुके हैं। उपकप्तान धवन ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा था, “उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ जीत हासिल की है। वे अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं और यह हमारे लिये अच्छी बात है। हम किसी भी चीज़ को हल्के में नहीं ले सकते।”

# राष्ट्रीय टीम में वापसी करना चाहते हैं रसेल

लंदन, 17 अगस्त। वेस्ट इंडीज के स्टार ऑलराउंडर अंड्रे रसेल ने इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आइसीसी टी20 विश्व कप के लिये राष्ट्रीय टीम में वापसी की मंशा जताई है। उल्लेखनीय है कि रसेल पिछले साल यूएई में हुए टी20 विश्व कप 2020 के बाद से टीम से बाहर हैं, हालांकि अपने हमवतन और पूर्व क्रिकेटर डैरेन सैमी से स्काई स्पोर्ट्स पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह अपने देश के लिये एक और विश्व कप जीतने की इच्छा रखते हैं।

रसेल ने कहा, “मैं हमेशा खेलना और टीम का कर्ज चुकाना चाहता हूँ, लेकिन अगर हम कुछ शर्तों पर राजी नहीं हैं... उन्हें भी मेरी कुछ शर्तों का सम्मान करना चाहिये। अंततः, जो है सो है।” उन्होंने कहा, “हमारे परिवार भी हैं, और हमें यह सुनिश्चित करना होता है कि हम अपने एकलौते करियर के सर्वश्रेष्ठ अवसर प्रदान करें। ऐसा नहीं है कि मैं दोबारा अपने करियर की शुरुआत कर सकता हूँ, मेरी उम्र 34 साल है और मैं वेस्ट इंडीज के लिये एक या दो और विश्व कप जीतना चाहता हूँ।”

रसेल अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 67 टी20 खेल चुके हैं और वेस्ट इंडीज की दोनों टी20 विश्व कप जीतों (2016, 2021) में टीम का हिस्सा रहे हैं। वह ऑस्ट्रेलिया जाने वाली टीम का हिस्सा बनने के लिये भी उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, “मरून् (वेस्ट इंडीज की जर्सी का रंग) पूरी तरह छाया हुआ है। सच कहूँ तो मैंने फ्रेंचाइजी क्रिकेट में दो शतक बनाए हैं और मेरी इच्छा है कि दोनों शतक वेस्ट इंडीज के लिये बने होते। मुझे यह कहते पर अफसोस नहीं है। मुझे जर्मका तलावाज के लिये खेलना अच्छा लगा, लेकिन वे दो शतक अगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बने होते तो और भी खास होते।”

रसेल इस समय इंग्लैंड में घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं, जिसके बाद वह कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में ट्रिनिदाद और टोबागो राइडर्स का हिस्सा बनेंगे। वेस्ट इंडीज के दिग्गज क्रिकेटर और वर्तमान मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेनेसे ने यह सुझाव दिया था कि यदि कोई खिलाड़ी सीपीएल में अच्छा प्रदर्शन करता है तो वह टी20 विश्व कप की टीम में शामिल हो सकता है। उन्होंने हालिया बयान में कहा था, “अगर वेस्ट इंडीज को प्रतियोगिता अर्जोर्जित कर रहा है और कोई खिलाड़ी नाम चयन के लिये ऊपर आना चाहिये।”



# पंजाब महिला हॉकी टीम के लिए 30 संभावित खिलाड़ियों का चयन

जालंधर, 17 अगस्त। गुजरात में होने वाले 36वें राष्ट्रीय खेल 2022 में भाग लेने वाली पंजाब महिला हॉकी टीम के लिए 30 संभावित हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया गया है। हॉकी फील्डिंग समिति के सदस्य ओलंपियन बलविंदर सिंह शम्मी ने बुधवार को बताया कि 30 सितंबर से सात अक्टूबर तक राजकोट (गुजरात) में शुरू होने वाले 36वें राष्ट्रीय खेल 2022 में भाग लेने वाली पंजाब महिला हॉकी टीम के चयन हेतु बलविंदर सिंह (द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित), ओलंपियन बलविंदर सिंह शम्मी, सुखजीत कौर (अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी) और कोच अमरजीत सिंह की चयन समिति ने 30 संभावित हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया है। इस टीम में गुरजीत कौर, सिसामी (दोनों ओलंपियन),

योगिता बाली, नवप्रती कौर, राजविंदर कौर, बलजीत कौर, जसप्रीत कौर, रणसनप्रीत कौर, हरदीप कौर, रितु रानी, गगन, प्रियंका, रोन्सलीन रिलेटा, रिट (सभी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी), सिमरन चोपड़ा, जसदीप कौर, कमलप्रीत कौर, ज्योतिका, किरणदीप कौर (सीनियर), नवजोत कौर, किरणदीप कौर (जूनियर), महिमा, काजल, अमरदीप कौर, सिमरन सैनी, प्रियंका (जूनियर), तरणप्रीत कौर, शालू, सोनी और रीना (सभी राष्ट्रीय खिलाड़ी) का नाम शामिल है। शम्मी ने कहा कि इन 30 संभावित खिलाड़ियों के लिए पांच से 25 सितंबर तक अमृतसर के गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी एस्टेट्स हॉकी टाउंड में कौचिंग कैम्प का आयोजन किया जाएगा।

उपकप्तान धवन ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा था, “उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ जीत हासिल की है। वे अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं और यह हमारे लिये अच्छी बात है। हम किसी भी चीज़ को हल्के में नहीं ले सकते।”